Janata Shikshan Sanstha's

KISAN VEER MAHAVIDYALAYA, WAI

DEPARTMENT OF HINDI

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

एम्.ए. द्वितीय वर्ष (कला विद्या शाखा)

MA II HINDI (*2018-19, 2019-20, 2020-21)*

***शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर हिंदी अध्ययन मंडल एम.ए. भाग-2 हिंदी* (New Syllabus, Credit and C.B.C.S. system)**

Programme Outcomes :

** To prepare the students with skills to analyze the concept and different theories of Hindi literature and language.*

- *To prepare the students for pursuing research or careers in Hindi language and literature and it's allied fields.*
- *Imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing).*
- *Continue to acquire relevant knowledge and skills appropriate to professional activities.*
- *Create awareness to become an enlightened citizen with commitment to deliver one's responsibilities within the scope of bestowed rights and privileges.*

Programme Specific Outcomes :

To prepare and motivate students for research studies in Hindi language and literature and related fields.

- *To provide advanced knowledge of different theories of Hindi language and literature and empowering the students to pursue higher degrees/research at reputed academic institutions.*

- *To nurture analytical qualities or skills, thinking power, creativity through assignments & project works.*

- *To assist students in preparing (personal guidance, books) for competitive exams. e.g. NET/SET, Staff Selection Commission, Banking sector/Govt. of India undertakings (Rajbhasha Sahayak or Hindi Officer/ Hindi Translator), School Service Commission etc.*

- *To encourage the students for original thinking/thought /decision making.*

- *To imbibe the effective communication in both mediums of expression (oral and writing).*

Course Outcomes:

तृतीय सत्र अनिवार्य बीजपत्र - IX आधुनिक हिंदी कविता -1 शैक्षिक वर्ष 2018-19, 2019-20, 2020-21

उद्देश्य :

1. छात्रों को आधुनिक हिंदी कविता की प्रवृत्तियों से परिचय कराना।

2. छात्रों को आधुनिक काल के प्रबंध और मुक्तक काव्य के तात्विक स्वरूप की जानकारी देना।

3. आधुनिक युग के काव्य प्रकारों के विकासक्रम का परिचय देना।

4. छात्रों को आधुनिक काव्य प्रकारों के तात्विक स्वरूप एवं विकास क्रम के परिप्रेक्ष्य में रचनाओं के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि देना।

5. छात्रों को काव्य के गद्य-पद्यात्मक काव्य-शैली से परिचित कराना।

** अध्यापन पद्धति :*

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।

2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।

3. दृक-श्राव्य माध्यमों / संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।

4. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

5. परिचर्चा।

6. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

एम.ए. भाग 2 हिंदी तृतीय सत्र अनिवार्य बीजपत्र -x "भारतीय काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना"

** उद्देश्य :*

1. छात्रों को भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का परिचय कराना।

2. छात्रों को आधुनिक हिंदी आलोचकों से परिचित कराना।

3. छात्रों की सृजनशीलता तथा समीक्षात्मक वृत्ति को विकसित कराना।

एम.ए. भाग 2 हिंदी तृतीय सत्र अनिवार्य बीजपत्र-XI प्रयोजनमूलक हिंदी

उद्देश्य -

. छात्रों को प्रयोजनमूलक हिंदी की संकल्पना, स्वरूप एवं उपयोगिता से अवगत कराना।

. कामकाजी हिंदी के स्वरूप से परिचित कराना।

. हिंदी के विविध रुपों से ज्ञात कराना।

. जनसंचारीय हिंदी की प्रकृति से अवगत कराना।

. रोजगार अर्जन के अवसर से परिचित कराना।

राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा की अभिवृद्धि के अभियान में योगदान कराना।

एम. ए. भाग-2 हिंदी तृतीय सत्र वैकल्पिक प्रश्नपत्र- XII (अ) भाषा प्रौद्योगिकी 11I

उद्देश्य -

विविध परिचालन प्रणालियों का अध्ययन करना ।

** इंटरनेट का प्रारम्भ, परिचय, विकास तथा उपयोगिता का अध्ययन कराना।*

संजालन का स्वरूप, उपकरण, प्रकार तथा उपयोगिता का अध्ययन कराना ।

** संगणक साधित मशीनी अनुवाद के उपकरण / सॉफ्टवेयर्स का अध्ययन कराना।*

एम.ए. भाग 2 हिंदी तृतीय सत्र वैकल्पिक प्रश्नपत्र XII (ब) अनुवाद प्रौद्योगिकी - III

उद्देश्य-

1) अनुवाद का एक स्वतंत्र साहित्य विधा के रूप में महत्त्व जानना।

2) अनुवाद के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत होना।

3) अनुवाद के व्यावहारिक पक्ष एवं महत्त्व को समझना।

4) वर्तमान काल में अनुवाद की उपयोगिता से परिचित होना।

5) तुलनात्मक अध्ययन, भाषा विज्ञान एवं भाषा शिक्षण में अनुवाद का उपयुक्त साधन के रुप में परिचय पाना।

6) अनुवादक की क्षमता / गुणों से अवगत होना।

7) आदर्श अनुवाद की संकल्पना से परिचित कराना।

8) अनुवाद मूल्यांकन की दृष्टि का विकास करना।

एम.ए. भाग 2 (हिंदी) तृतीय सत्र

वैकल्पिक प्रश्नपत्र XII (क) कथेतर साहित्य- 1

उद्देश्य-

1. कथेतर साहित्य के उद्भव तथा विकास से परिचित कराना।

2. कथेतर साहित्य के विभिन्न रूपों से परिचित कराना।

3. कथेतर साहित्य के प्रमुख रचनाकारों तथा उनकी रचनाओं का सूक्ष्म अध्ययन कराना।

4. पठित रचनाकारों तथा उनकी रचनाओं के वर्तमानकालीन महत्त्व, प्रासंगिकता से परिचित कराना।

एम.ए.भाग - 2 हिंदी तृतीय सत्र

अनिवार्य बीजपत्र XII

(ड) भारतीय साहित्य- 1

उद्देश्य :

** उपन्यास, नाटक, आत्मकथा तथा कहानी संग्रह के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।*

** भारतीय साहित्य को समझाना।*

** अनुवाद: स्वरूप, महत्त्व तथा उपयोगिता को समझाना।*

** उपन्यास नाटक, आत्मकथा तथा कहानीकार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।*

** रचना विशेष को समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढाना।*

** रचना के आस्वादन एवं समीक्षन की क्षमता विकसित कराना।*

** पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यास, नाटक, आत्मकथा एवं कहानीसंग्रह का प्रासंगिकता से अवगत कराना।*

एम.ए. भाग 2 हिंदी चतुर्थ सत्र अनिवार्य बीजपत्र आधुनिक हिंदी कविता-11

उद्देश :

1. छात्रों को आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों का परिचय कराना।

2. छात्रों को आधुनिक काल के प्रबंध और मुक्तक काव्य के तात्विक स्वरूप की जानकारी देना।

3. छात्रों का आधुनिक युग के काव्य प्रकारों के विकासक्रम से परिचित कराना।

4. छात्रों को आधुनिक काव्य प्रकारों के तात्विक स्वरूप एवं विकास क्रम के परिप्रेक्ष्य में रचनाओं के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि देना।

5. छात्रों को नई कविता के गद्य पद्यात्मक काव्य शैली परिचित कराना।

एम.ए. भाग - 2 हिंदी चतुर्थ सत्र अनिवार्य बीजपत्र- XV प्रयोजनमूलक हिंदी

उद्देश्य -

संगणकीय हिंदी के सामान्य स्वरूप से ज्ञात कराना।

संगणक के क्षेत्र में हिंदी के प्रयोग से परिचित कराना।

जनसंचारीय हिंदी की प्रकृति से अवगत कराना।

रोजगार अर्जन के अवसर से परिचित कराना।

राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा की अभिवृद्धि के अभियान में योगदान कराना।

एम. ए. भाग-2 हिंदी चतुर्थ सत्र वैकल्पिक प्रश्नपत्र- XVI (अ) भाषा प्रौद्योगिकी- IV

उद्देश्य -

भाषाविज्ञान तथा अद्यतन भाषाविज्ञान का स्वरूप, महत्त्व, अनुप्रयोग के क्षेत्र तथा उपयोगिता का अध्ययन कराना।

परिकलन तथा अभिकलन का स्वरूप का परिचय कराना।

विविध भाषाविदों का परिचय कराना।

** प्राकृतिक भाषा संसाधन का स्वरूप, अवधारणा कार्य तथा उपयोगिता का अध्ययन कराना।*

** वृक्ष संलग्न प्रणाली, धृति निर्माण कार्य का स्वरूप कार्य तथा उपयोगिता समझाना ।*

एम.ए. भाग 2 हिंदी चतुर्थ सत्र वैकल्पिक प्रश्नपत्र XVI (ब) अनुवाद प्रौद्योगिकी- IV

उद्देश्य-

1. अनुवाद का स्वतंत्र साहित्य विधा के रूप में महत्त्व जानना।

2. अनुवाद के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत होना।

3. अनुवाद के व्यावहारिक पक्ष एवं महत्त्व को समझना।

4. वर्तमान काल में अनुवाद की उपयोगिता से परिचित होना।

5. तुलनात्मक अध्ययन, भाषा विज्ञान एवं भाषा शिक्षण में अनुवाद का उपयुक्त साधन के रुप में परिचय पाना।

6. अनुवादक की क्षमता /गुणों से अवगत होना।

7. आदर्श अनुवाद की संकल्पना से परिचित कराना।

8. अनुवाद मूल्यांकन की दृष्टि का विकास करना।

एम.ए. भाग 2 हिंदी चतुर्थ सत्र वैकल्पिक प्रश्नपत्र-XVI (क) कथेतर साहित्य-11

उद्देश्य-

1. कथेतर साहित्य के उद्भव तथा विकास से परिचित कराना।

2. कथेतर साहित्य के विभिन्न रुपों से परिचित कराना।

3. कथेतर साहित्य के प्रमुख रचनाकारों तथा उनकी रचनाओं का सूक्ष्म अध्ययन कराना।

4. पठित रचनाकारों तथा उनकी रचनाओं के वर्तमानकालीन महत्त्व, प्रासंगिकता से परिचित कराना।

एम ए भाग-2 हिंदी

चतुर्थ सत्र वैकल्पिक प्रश्न पत्र- XVI

(ड) भारतीय साहित्य - ॥

उद्देश्य -

** उपन्यास, नाटक, आत्मकथा, काव्य तथा कहानी संग्रह के तात्त्विक स्वरूप का परिचय देना।*

** भारतीय साहित्य को समझाना।*

** अनुवादः स्वरूप, महत्त्व तथा उपयोगिता को समझाना।*

** उपन्यास, नाटक, आत्मकथा, काव्य तथा कहानीकार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।*

** रचना विशेष को समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढाना।*

** रचना के आस्वादन एवं समीक्षन क्षमता विकसित कराना।*

** पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यास, नाटक, आत्मकथा, काव्य तथा कहानी संग्रह की प्रासंगिकता से अवगत कराना।*

एम ए भाग -2 हिंदी चतुर्थ सत्र वैकल्पिक प्रश्न पत्र- XVI (ड) भारतीय साहित्य - II

उद्देश्य -

** उपन्यास, नाटक, आत्मकथा, काव्य तथा कहानी संग्रह के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।*

** भारतीय साहित्य को समझाना।*

** अनुवाद: स्वरूप, महत्त्व तथा उपयोगिता को समझाना।*

** उपन्यास, नाटक, आत्मकथा, काव्य तथा कहानीकार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।*

** रचना विशेष को समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढाना।*

** रचना के आस्वादन एवं समीक्षन क्षमता विकसित कराना।*

** पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यास, नाटक, आत्मकथा, काव्य तथा कहानी संग्रह की प्रासंगिकता से अवगत कराना।*